मध्य प्रदेश की चंबल नदी की बायो मॉनिटरिंग (2019-20)

चंबल नदी मध्य भारत में यमुना नदी की एक सहायक नदी है, और इस प्रकार यह अधिक से अधिक गंगा जल निकासी प्रणाली का हिस्सा बनती है। चंबल नदी मध्य प्रदेश के माध्यम से उत्तर-पूर्व में बहती है, राजस्थान के माध्यम से कुछ समय के लिए चलती है, फिर उत्तर प्रदेश राज्य में यमुना में शामिल होने के लिए दक्षिण-पूर्व की ओर मुड़ने से पहले राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच सीमा बनाती है। मध्य प्रदेश में चंबल नदी सतही जल प्रदूषण दिन प्रति दिन बढ़ता जा रहा है जिसके परिणाम स्वरुप नदी पारिस्थितिक तंत्र प्रभावित हो रहा है । इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य मध्य प्रदेश में चंबल नदी के पूरे नदी खंड में मैक्रो इनवर्टेब्रेट की पहचान के आधार पर जैविक जल गुणवत्ता मानदंड [बी डब्ल्यू क्यू सी] का उपयोग कर जल गुणवत्ता का आकलन करना है । बायो- मॉनिटरिंग का उपयोग बीथेंटीक मैक्रो- इन्वेर्टिब्रेटस (बेन्थोस) नस्लों के वर्गीकरण और ज़ोनिंग कर नदी जल की गुणवत्ता स्तर स्वच्छ, मामूली प्रदूषण, मध्यम प्रदूषण और गंभीर प्रदूषण की पारिस्थितिकीय स्थिति को इंगित किया जाता है। केंद्रीय प्रयोगशाला मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा मध्य प्रदेश में पूरे चंबल नदी खंड को तीन क्षेत्रों में विभाजित कर कुल बारह स्थलों पर जैव- मॉनिटरिंग अध्ययन किया गया। वर्ष 2019-20 के दौरान बायोमोनिटरिंग के तीन चक्र अध्ययन से निष्कर्ष निकाला गया कि चंबल नदी के जल का औसत जैविक जल गुणवत्ता मानदंड [बी डब्ल्यू क्यू सी] प्रमाणित बी आई एस मानक सीमा 2296 [1982] के अनुसार क्लास ए से सी के अंतर्गत पाया गया अर्थात चंबल नदी में जल गुणवत्ता का स्तर स्वच्छ से मध्यम प्रदूषण पारिस्थितिकीय स्थिति को इंगित करता है।

मध्य प्रदेश की चंबल नदी की बायो मॉनिटरिंग

Central Laboratory

चित्र: चंबल नदी पिपलोदा बगला स्टॉप डैम, नागदा

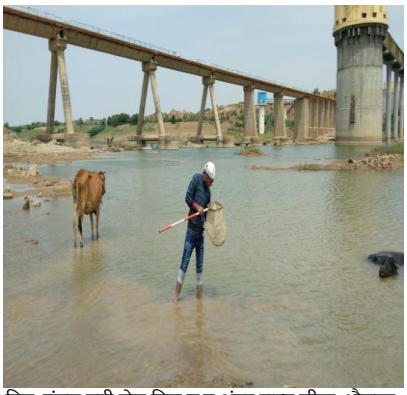

चित्र: चंबल नदी रोड ब्रिज म.प्र.अंतर राज्य सीमा, धौलपुर

चित्र: चंबल नदी रोड ब्रिज फूप, भिंड

चित्र:आंतरिक गंदे नाले का प्रवाह चंबल नदी में मिश्रित होता हुआ रोड ब्रिज घाटाबिल्लोद

चित्र:अध्ययन स्थान पर माइक्रो इन्वेर्टिब्रेटस का संग्रह करते हुए

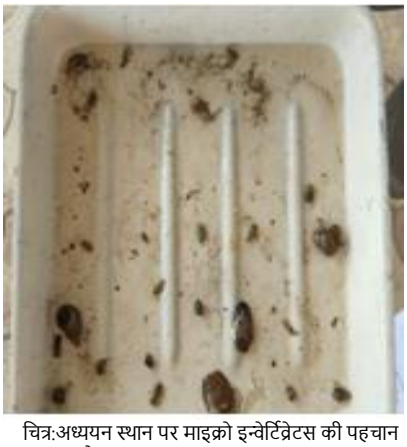

चित्र:अध्ययन स्थान पर माइक्रो इन्वेर्टिब्रेटस की पहचान करते हुए